केंद्र ने PMGAY के तहत आवास उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ सरकार ने घोषणा की है कि केंद्र ने **प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना** के तहत **15,000 आवास उपलब्ध कराने के उसके प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी है।** कल्याणकारी पहल के तहत ये घर आत्मसमर्पण करने वाले **नक्सलियों और नक्सल हिंसा** से प्रभावित व्यक्तियों को आवंटित किये जाएँगे।

- इस बात पर ज़ोर दिया गया कि इस योजना का उद्देश्य **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011** और **आवास प्लस 2018 सूचियों से बाहर रह गए परिवारों को शामिल करना है।**

मुख्य बिंदु

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G)

- **परिचय:**
  - **वर्ष 2016 में शुरू की गई** PMAY-G का उद्देश्य समाज के **सबसे गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराना है।**
  - लाभार्थियों के चयन में **तीन चरणों की गहन सत्यापन प्रक्रिया शामिल है,** जिसमें **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011**, **ग्राम सभा अनुमोदन और जियो-टैगिंग** शामिल है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सहायता सबसे योग्य व्यक्तियों तक पहुँचे।

PMAY-G के अंतर्गत लाभार्थियों को मिलेगा:

- **वित्तीय सहायता:** मैदानी क्षेत्रों में 1.20 लाख रुपए तथा पूर्वोत्तर राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों सहित पहाड़ी राज्यों में 1.30 लाख रुपए।
- **शौचालयों के लिये अतिरिक्त सहायता:** **स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (SBM-G)** या **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (MGNREGS)** या किसी अन्य समर्पित वित्त पोषण स्रोत जैसी योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये 12,000 रुपए।
- **रोज़गार सहायता:** आवास निर्माण के लिये **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (MGNREGA)** के माध्यम से लाभार्थियों के लिये 90/95 व्यक्ति-दिवस अकुशल मज़दूरी रोज़गार का अनिवार्य प्रावधान।
- **बुनियादी सुविधाएँ:** प्रासंगिक योजनाओं के साथ अभिसरण के माध्यम से जल, **तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (LPG)** और विद्युत कनेक्शन तक पहुँच।

नक्सलवाद

- इसकी **शुरुआत स्थानीय जमींदारों के विरुद्ध विद्रोह के रूप में हुई,** जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी।
  - यह विद्रोह **1967 में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य कानू सान्याल और जगन संथाल** के नेतृत्व में मेहनतकश किसानों के बीच भूमि का उचित पुनर्वितरण करना था।
- **पश्चिम बंगाल से शुरू हुआ** यह आंदोलन पूर्वी भारत के अन्य कम विकसित क्षेत्रों जैसे **छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश तक फैल चुका है।**
- ऐसा माना जाता है कि नक्सली माओवादी राजनीतिक भावनाओं और विचारधारा का समर्थन करते हैं।
  - **माओवाद माओ त्से तुंग** द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है।
  - यह सशस्त्र विद्रोह, जन-आंदोलन और रणनीतिक गठबंधनों के संयोजन के माध्यम से **राज्य की सत्ता पर कब्ज़ा करने का सिद्धांत है।**

//

वामपंथी उग्रवाद

परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

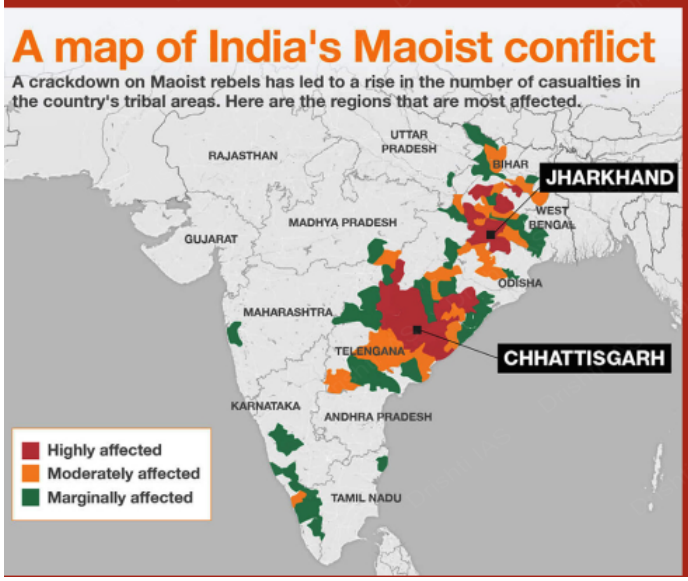

वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/centre-approves-proposal-to-provide-houses-under-pmgay